



**ज्ञानवापी परिसर में 'हिंदू पूजा करेंगे या नहीं' पर फैसला टला!**

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। ज्ञानवापी परिसर के तहखाने में हिंदुओं को पूजा करने की अनुमति देने के फैसले को सौंपने, वहां मिले शिवलंग की पूजा करने का अधिकार देने और अंजुमन इंजामिया मस्जिद समिति द्वारा खरिज करने की याचिका

तारीख 15 फरवरी की दी है। ज्ञानवापी परिसर हिंदुओं को सौंपने, वहां मिले शिवलंग की पूजा करने का अधिकार देने और अंजुमन इंजामिया मस्जिद समिति

द्वारा खरिज करने की याचिका



पर आज सुनवाई टली। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने आगामी 15 फरवरी को इस मामले की सुनवाई करने की तारीख दी है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अंजुमन इंजामिया मस्जिद समिति के अनुरोध जिसमें वाराणसी अदालत के हिंदुओं को मस्जिद के दक्षिणी तहखाने में पूजा करने की अनुमति देने के खिलाफ करते हुए किरण सिंह ने अदालत में बाद दायर किया था। इस पर मस्जिद पक्ष की तरफ से बाद की पोषणीयत को चुनौती दी गई। दोनों पक्षों की बास सुनने के बाद सिविल जज (सीनियर डिवीजन फास्ट्रैक) ने 17 नवंबर 2022 को बास को सुनवाई योग्य पाते हुए मस्जिद की आपत्ति को रद्द करने की मांग की गई थी, मामले की सुनवाई आज टाली दी है। हाई कोर्ट इस याचिका पर अभी विचार करने के बाद फैसला देने के लिए अगली

## प्रयागराज में स्कॉप्रेस ट्रेन में अल सुबह बद्भास्तों ने की लूटपाट, वचा हड़कंप!

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

प्रयागराज। छठती ट्रेन में लूटपाट की घटना सामने आने के बाद रेलवे और जीआरपीट में हड़कंप मच गया है। भुक्तभोगी यात्रियों ने बताया कि धना को अंजाम देने के बाद सभी बदमाश शंकरगढ़ की बाबत की बीच लूटपाट हुई। इरादतगंज से जसरा के बीच लूटपाट हुई। बदमाश अपने पास सांप लिए हुए थे और लोगों को डाकार पैसे छीन रहे थे। बदमाश शंकरगढ़ के पास चोन पुलिंग कर रहा था। दानापुर से पुणे जा रही ट्रेन 2150 दानापुर पुणे एक्सप्रेस में धूरुर थाना क्षेत्र के इरादतगंज व जसरा के बीच ट्रेन की जनरल बोगी में सोमवार सुबह साढ़े पाँच के आसान एक दर्जन यात्रियों से कुछ लोगों ने लूटपाट की। लूट-पाट करने के पश्चात बदमाश शंकरगढ़ के पास चोन पुलिंग कर रहा था। दानापुर से बदमाश में लूटपाट करने के बाद आपीएफ जांच पड़ताल में जुटी हुई है। दानापुर पुणे एक्सप्रेस सोमवार सुबह 5:10 पर छिक्की स्टेशन पहुंची। 10 मिनट के ठहराव के बाद ट्रेन आगे के लिए रवाना हो गई। लिंक जंक्शन के पास गाड़ी थीमी होने पर जनरल बोगी में चार युवक चढ़ गए। ट्रेन



पहले चेन पुलिंग कर उतर गए। पीड़ित ने बताया कि उनके साथ आनंद बुझार पुत्र गुलाब निवासी जौनपुर व अन्य के साथ लूट हुई है। आरपीएफ इंस्पेक्टर छिक्की ने बताया कि घटना की जानकारी मिली है। जांच पड़ताल की जारी रही। बदमाश शंकरगढ़ के पास गाड़ी थीमी होने पर जनरल बोगी में नहीं चढ़ा था।

गाड़ीपुर बरेसर थाना ने बताया की युवक अपने पास सांप लिए हुए थे, और लोगों को सांप दिखाकर मरना पीटना शुरू कर दिया। बदमाश लाभग एक दर्जन यात्रियों से हजारों की नगदी लूटकर शंकरगढ़ स्टेशन के

## धूमधाम से मना विद्यालय का वार्षिक उत्सव बच्चों ने नित्य कर मोहा मन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

पर माल्याणप करते हुए कार्यक्रम की शुरुआत की गयी। कार्यक्रम का सचान्ति विजय द्वारा दिवावी द्वारा किया गया। उपस्थित अभिभावकों व अतिथियों के समक्ष अद्ययनरत बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियों की गयी। उपस्थित



बच्चों की प्रस्तुतियों की गयी। आनंद निशा सभासद वर्ड 10 निजबून निशा सभासद वर्ड 10, रामराज अद्यक्ष विद्यालय प्रबन्ध समिति, धनन्जय कुमार सिंह खण्ड शिक्षा अधिकारी, रमेश प्रसाद चौरसिया, इन्दु प्रकाश सिंह, गणेश पांडेय, धर्मेन्द्र उपाध्याय, मदनलाल सहित अद्ययनरत बच्चों के अधिकारी एवं कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग प्रदान करने के लिए उनका आभार प्रकट किया।

बच्चों व अतिथियों द्वारा बच्चों की प्रस्तुतियों पर खूब तालियां बजाते हुए उनके हुन की खूब तारीफ की गयी। मुख्य अतिथि डॉ योगेश्वर प्रसाद डॉसी 010म03040, डॉ. एस010न0 द्वारा, संजय जायसवाल पूर्व नगर अद्यक्ष भारतीय जनता पार्टी, नज़बून निशा सभासद वर्ड 10, रामराज अद्यक्ष विद्यालय प्रबन्ध समिति, धनन्जय कुमार सिंह खण्ड शिक्षा अधिकारी, रमेश प्रसाद चौरसिया, इन्दु प्रकाश सिंह, गणेश पांडेय, धर्मेन्द्र उपाध्याय, मदनलाल सहित अद्ययनरत बच्चों के अधिकारी एवं कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग प्रदान करने के लिए उनका आभार प्रकट किया।

बच्चों व अतिथियों द्वारा बच्चों की प्रस्तुतियों पर खूब तालियां बजाते हुए उनके हुन की खूब तारीफ की गयी। आनंद निशा सभासद वर्ड 10, रामराज अद्यक्ष विद्यालय प्रबन्ध समिति, धनन्जय कुमार सिंह खण्ड शिक्षा अधिकारी, रमेश प्रसाद चौरसिया, इन्दु प्रकाश सिंह, गणेश पांडेय, धर्मेन्द्र उपाध्याय, मदनलाल सहित अद्ययनरत बच्चों के अधिकारी एवं कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग प्रदान करने के लिए उनका आभार प्रकट किया।

बच्चों व अतिथियों द्वारा बच्चों की प्रस्तुतियों पर खूब तालियां बजाते हुए उनके हुन की खूब तारीफ की गयी। मुख्य अतिथि डॉ योगेश्वर प्रसाद डॉसी 010म03040, डॉ. एस010न0 द्वारा, संजय जायसवाल पूर्व नगर अद्यक्ष भारतीय जनता पार्टी, नज़बून निशा सभासद वर्ड 10, रामराज अद्यक्ष विद्यालय प्रबन्ध समिति, धनन्जय कुमार सिंह खण्ड शिक्षा अधिकारी, रमेश प्रसाद चौरसिया, इन्दु प्रकाश सिंह, गणेश पांडेय, धर्मेन्द्र उपाध्याय, मदनलाल सहित अद्ययनरत बच्चों के अधिकारी एवं कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग प्रदान करने के लिए उनका आभार प्रकट किया।

बच्चों व अतिथियों द्वारा बच्चों की प्रस्तुतियों पर खूब तालियां बजाते हुए उनके हुन की खूब तारीफ की गयी। आनंद निशा सभासद वर्ड 10, रामराज अद्यक्ष विद्यालय प्रबन्ध समिति, धनन्जय कुमार सिंह खण्ड शिक्षा अधिकारी, रमेश प्रसाद चौरसिया, इन्दु प्रकाश सिंह, गणेश पांडेय, धर्मेन्द्र उपाध्याय, मदनलाल सहित अद्ययनरत बच्चों के अधिकारी एवं कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग प्रदान करने के लिए उनका आभार प्रकट किया।

बच्चों व अतिथियों द्वारा बच्चों की प्रस्तुतियों पर खूब तालियां बजाते हुए उनके हुन की खूब तारीफ की गयी। मुख्य अतिथि डॉ योगेश्वर प्रसाद डॉसी 010म03040, डॉ. एस010न0 द्वारा, संजय जायसवाल पूर्व नगर अद्यक्ष भारतीय जनता पार्टी, नज़बून निशा सभासद वर्ड 10, रामराज अद्यक्ष विद्यालय प्रबन्ध समिति, धनन्जय कुमार सिंह खण्ड शिक्षा अधिकारी, रमेश प्रसाद चौरसिया, इन्दु प्रकाश सिंह, गणेश पांडेय, धर्मेन्द्र उपाध्याय, मदनलाल सहित अद्ययनरत बच्चों के अधिकारी एवं कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग प्रदान करने के लिए उनका आभार प्रकट किया।

बच्चों व अतिथियों द्वारा बच्चों की प्रस्तुतियों पर खूब तालियां बजाते हुए उनके हुन की खूब तारीफ की गयी। आनंद निशा सभासद वर्ड 10, रामराज अद्यक्ष विद्यालय प्रबन्ध समिति, धनन्जय कुमार सिंह खण्ड शिक्षा अधिकारी, रमेश प्रसाद चौरसिया, इन्दु प्रकाश सिंह, गणेश पांडेय, धर्मेन्द्र उपाध्याय, मदनलाल सहित अद्ययनरत बच्चों के अधिकारी एवं कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग प्रदान करने के लिए उनका आभार प्रकट किया।

बच्चों व अतिथियों द्वारा बच्चों की प्रस्तुतियों पर खूब तालियां बजाते हुए उनके हुन की खूब तारीफ की गयी। मुख्य अतिथि डॉ योगेश्वर प्रसाद डॉसी 010म03040, डॉ. एस010न0 द्वारा, संजय जायसवाल पूर्व नगर अद्यक्ष भारतीय जनता पार्टी, नज़बून निशा सभासद वर्ड 10, रामराज अद्यक्ष विद्यालय प्रबन्ध समिति, धनन्जय कुमार सिंह खण्ड शिक्षा अधिकारी, रमेश प्रसाद चौरसिया, इन्दु प्रकाश सिंह, गणेश पांडेय, धर्मेन्द्र उपाध्याय, मदनलाल सहित अद्ययनरत बच्चों के अधिकारी एवं कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग प्रदान करने के लिए उनका आभार प्रकट किया।

बच्चों व अतिथियों द्वारा बच्चों की प्रस्तुतियों पर खूब तालियां बजाते हुए उनके हुन की खूब तारीफ की गयी। मुख्य अतिथि डॉ योगेश्वर प्रसाद डॉसी 010म03040, डॉ. एस010न0 द्वारा, संजय जायसवाल पूर्व नगर अद्यक्ष भारतीय जनता पार्टी, नज़बून निशा सभासद वर्ड 10, रामराज अद्यक्ष विद्यालय प्रबन्ध समिति, धनन्जय कुमार सिंह खण्ड शिक्षा अधिकारी, रमेश प्रसाद चौरसिया, इन्दु प्रकाश सिंह, गणेश पांडेय, धर्मेन्द्र उपाध्याय, मदनलाल सहित अद्ययनरत बच्चों के अधिकारी एवं कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग प्रदान करने के लिए उनका आभार प्रकट किया।

बच्चों व अतिथियों द्वारा बच्चों की प्रस्तुतियों पर खूब तालियां बजाते हुए उनके हुन की खूब तारीफ की गयी। मुख्य अतिथि डॉ योगेश्वर प्रसाद डॉसी 010म03040, डॉ. एस010न0 द्वारा, संजय जायसवाल पूर्व नगर अद्यक्ष भारतीय





# बीजेपी कार्यालय पर लोकसभा कार्यशाला का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

मीरजापुर जिला दिनांक 13 फरवरी 2024 को भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय बरौदा कावार मीरजापुर के सभागार में लाभार्थी सम्पर्क अभियान एंड लोकसभा कार्यशाला सम्पन्न हुआ।

कार्यशाला की अध्यक्षता कर रहे भाजपा जिलाध्यक्ष बृजभूषण सिंह जी ने प्रदेश सरकार से आये हुए बतौर मुख्य अतिथि राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभारी) एवं मीरजापुर लोकसभा कुस्तर प्रभारी द्वायशकर मिश्र छुट्टियांजलि जी के अंगवत्र व उपर्युक्त देकर स्वागत किया। साथ में 01 से 04 मार्च लाभार्थी सम्पर्क विशेष अभियान जो पीपी० टी० द्वारा प्रस्तुतीकरण प्रत्येक मंडल में आई००१ के माध्यम से समझाया जायेगा। उसके बाद घर - घर लाभार्थी से सभी मंडल के पदाधिकारियों तथा पूर्व पदाधिकारी अभियान के माध्यम से सम्पर्क करें। साथ में आगामी लोकसभा चुनाव की दृष्टि से तमाम बातों को बताया। तत्स्वात लोकसभा प्रभारी रविन्द्र नाथ पाठक आये हुए मुख्य अतिथि व आये हुए अपेक्षक फारम के पदाधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुए बताया कि सभी पदाधिकारियों का एकार्यकारी अपने - अपने कार्य को जिम्मेदारी पूर्वक निर्वहन करें। कार्यक्रम का संचालन अभियान के मंडल संयोजक व संयोजक जानकारी अपने - अपने नाम एवं अवधारणा के बारे में व्यक्त करते हुए अपेक्षक फारम के पदाधिकारियों को आभार व्यक्त करते हुए सभी अभियानों के प्रमुख अपने - अपने अभियान को शत प्रतिशत पूरा करें। सभी अतिथियों एवं लोकसभा कार्यशाला फोरम के पदाधिकारियों का स्वागत अभिनन्दन किया। कार्यशाला को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि / मुख्य वक्त भूमी आये हुए सभी अभियानों के प्रमुख अपने - अपने अभियान को शत प्रतिशत पूरा करें। सभी अभियानों के माध्यम

से लाभार्थी से मिले तथा केन्द्र व प्रदेश सरकार की बारे में बताएं। कूस्तर प्रभारी / मंत्री साथ में यह भी कहा कि अभी तक जो अभियान पूर्ण नहीं हुआ है उसे शत प्रतिशत करने का प्रयास करें। साथ में 01 से 04 मार्च लाभार्थी सम्पर्क विशेष अभियान जो पीपी० टी० द्वारा प्रस्तुतीकरण प्रत्येक मंडल में आई००१ के माध्यम से समझाया जायेगा। उसके बाद घर - घर लाभार्थी से सभी मंडल के पदाधिकारियों तथा पूर्व पदाधिकारी अभियान के माध्यम से सम्पर्क करें। साथ में आगामी लोकसभा चुनाव की दृष्टि से तमाम बातों को बताया। तत्स्वात लोकसभा प्रभारी रविन्द्र नाथ पाठक आये हुए मुख्य अतिथि व आये हुए अपेक्षक फारम के पदाधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुए बताया कि सभी पदाधिकारियों का एकार्यकारी अपने - अपने कार्य को जिम्मेदारी पूर्वक निर्वहन करें। कार्यक्रम का संचालन अभियान के मंडल संयोजक व संयोजक जानकारी अपने - अपने नाम एवं अवधारणा के बारे में व्यक्त करते हुए अपेक्षक फारम के पदाधिकारियों को आभार व्यक्त करते हुए सभी अभियानों के प्रमुख अपने - अपने अभियान को शत प्रतिशत पूरा करें। सभी अभियानों के माध्यम

पर जाकर अभियानों के माध्यम

से लाभार्थी कार्यशाला का आयोजन

में लाभार्थी

सम्पन्न हुआ।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

# सम्पादकीय

**कटीले तारों की बाड़ से बढ़ेगी समस्या?  
राज्य में उठ रही है विरोध की आवाज**

नागालड क मुख्यमंत्री नफ्यू रिया का कहना है कि अगर सीमा पर बाड़ लगाना अनिवार्य है तो आम लोगों की समस्याओं को भी ध्यान में रखना होगा। सीमा के दोनों ओर नागा जनजाति के लोग रहते हैं। पूर्वीतर के कई राज्यों और संगठनों के विरोध के बावजूद केंद्र सरकार ने स्थांमार से लगी अंतरराष्ट्रीय सीमा पर कठीले तारों की बाड़ लगाने के फैसले पर अंडिंग रहते हुए दोनों देशों के समझाता नहा होने के कारण सरकार ने एक सहमति पत्र तैयार किया और 11 मई, 2018 को दोनों देशों में इस पर हस्ताक्षर कर इसे औपचारिक जामा पहनाया। राजनीतिक विशेषकों का कहना है कि स्थांमार में सैन्य तरक्कापलट के बाद सीमावर्ती इलाकों में स्थांमार की सेना और विद्रोही गुटों में हिस्सक झड़पे बढ़ी हैं और इसका असर भारतीय इलाकों में भी पड़ रहा है। संयुक्त



खत्म कर दिया है। पूर्वीतर के चार राज्यों-अरुणाचल प्रदेश (520 किमी), नागालैंड (215 किमी), मणिपुर (398 किमी) औ? मिजोरम (510 किमी)-की कुल 1643 किमी लंबी सीमा म्यामार से लगी है। इसमें से 1,472 किमी लंबी सीमा की शिनाख का काम पूरा हो गया है। मृक्त आवाजाही समझौता खत्म होने के बाद सीमा पार से आने वाले लोगों के लिए भारत का वीजा लेना अनिवार्य होगा। बर्मा (अब म्यामार) के भारत से अलग होने के बाद सीमा के विभाजन में गड़बड़ियों के कारण कई जनजातियां दो देशों की सीमा में बैठ गईं। आजादी के बाद अलग-अलग देश में रहने के कारण एक ही जनजाति के लोगों के जीवन और रहन-सहन में आने वाली दिक्कतों को ध्यान में रखते हुए केंद्रीय गृह मंत्रालय ने 26 सितंबर, 1950 को एक गजट अधिसूचना के जरिए पासपोर्ट नियमों में संशोधन करते हुए दोनों देशों के नागरिकों को बिना पासपोर्ट और वीजा के एक-दूसरे देश में 40 किमी भीतर तक आने की छूट दे दी। इसके बाद अगस्त, 1968 में इसमें संशोधन करते हुए परमिट प्रणाली लागू की गई यानी दूसरे देश में जाने वालों को परमिट लेना पड़ता था। अस्सी और नब्बे के दशक में पूर्वीतर राज्यों में उग्रावद तेज होने के कारण आवाजाही की सीमा 25 किमी से घटाकर 16 किमी कर दी गई। इस मुद्दे पर कोई अधिकृत

बहुआयामी गरीबी में कर्मी, रोजगार के मौके जुटाने के लिए नए कौशलों में प्रशिक्षण का जरूरत प्रीर्णों के लिए रोजगार के मौके लेंगों को गरीबी से बाहर लाने में अनुसार पिछले तीव्री में भारत में सबसे ज़्यादा 26-59 वर्षीय दरिया के विभिन्न सामाजिक अंतरिम वर्तमान में वित्तप्राप्ति तेज़।

जनुताने की खातिर डिलटल शिक्षा की कमियों को दूर करने के साथ उन्हें नए कौशलों में प्रशिक्षित करने की जरूरत है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में राज्यसभा में कहा कि पिछले नौ वर्षीय में देश में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं। लोगों को गरीबी से बाहर लाने में 80 करोड़ लोगों को दिए जा रहे निःशुल्क खाद्यानन् और अन्न कल्याणकारी योजनाओं की अहम भूमिका है। इससे पहले नीरिंग आयोग की तरफ से भी वैश्विक मान्यता के मापदंडों पर आधारित बहुआयामी गरीबी इंडेक्स (एमपीआई) दस्तावेज जारी किया गया था। बहुआयामी गरीबी इंडेक्स

जाना पड़े गरिबों से बाहर छाना भ  
80 करोड़ लोगों को दिए जा रहे  
निःशुल्क खादयानन् और अन्य  
कल्याणकारी योजनाओं की अहम  
भूमिका है। इससे पहले नीति  
आयोग की तरफ से भी वैश्विक  
मान्यता के मापदंडों पर आधारित  
बहुआयामी गरीबी इंडेक्स  
(एमपीआई) दस्तावेज जारी किया  
गया था। बहुआयामी गरीबी इंडेक्स

न राष्ट्रवादी ३०.५९ प्रतिशत, ज्ञारखंड में 23.34 फीसदी, उत्तर प्रदेश में 17.40 फीसदी, छत्तीसगढ़ में 11.71 फीसदी, राजस्थान में 10.77 फीसदी, तेलंगाना में 3.76 फीसदी, हिमाचल में 1.88 फीसदी, तमिलनाडु में 1.48 फीसदी, केरल में 0.48 फीसदी है। सरकार ने 2030 तक देश के ऐसे सभी

जिते विवरण बहुत बाहर पर तुलना अपनी को मान लें।

त वर्ष 2023-24 के तहत आयमी गरीबी के दायरे से निकालने वाले विभिन्न मदों किए गए वित्तीय आवंटन की ना में औसतन 10 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी की है। भारत अब भी निम्न-आय वाला देश जाता है। विभिन्न रागों की

# आधी आबादी के अधिकारों पर इनकी बातें, इनका सच

माहिला बिरोधी सामाजिक मानसिकता की बर्बर मिसाल एक फिल्म हजार करोड़ किनके भरोसे कमा ले जाती है? जिनके सिर इसका जुनून चढ़कर बोल रहा है, वही अगले महिला दिवस पर महिलाओं के हक में बड़ी-बड़ी बातें करते दिखेंगे। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस में अभी कुछ देर है। लेकिन मैं महसूस कर रही हूँ कि उसकी तैयारी शुरू हो चुकी है। महिला दिवस का पालन आजकल खुब धूमधाम से किया जाता है। सुबह-सुबह मुझे बहुत लोग, जिनमें महिलाएं और सामाजिक कार्यकर्ता भी दुकानदार ने मुझे विश किया था। उस दिन बैक और दुकान में मैं जब तक रही, मैंने देखा कि आनेवाली हर महिला का स्वागत किया जा रहा है। देश-विदेश घूम चुकने बावजूद मेरे लिए यह नया अनुभव था। इसका मतलब तो यही है कि साधारण आदमी भी अब महिला दिवस के बारे में जानता है। उसे यह भी मालूम है कि इस दिन महिलाओं का सम्मान करना चाहिए। सवाल यह है कि महिलाओं के प्रति यह श्रद्धा भावना सिर्फ एक दिन के लिए सीमित क्यों है। ऐसा

मददगार साबूत नहा हुआ है। यह देवस अब लगभग हर देश में मनाया जाता है। जब आम लोग महिला देवस के महत्व और औचित्य को नमझने लगे हैं, तब महिलाओं के साथ होनेवाले अपराधों में कमी क्यों नहीं होती? जब सामाजिक स्तर और स्त्रियों के प्रति कोई उदार बदलाव नहीं है, कन्या भूणहत्या से लेकर शिक्षा और रोजगार के मोर्चे पर महिलाओं के प्रति दुराव कायम है, तो भला यह क्यों न माना जाए कि अधिकारों आयोजनों-अनुष्ठानों में यह भी एक सालाना अनुष्ठान है। जहाँ जा रहे हैं और अधिकारों कितना पैसा कल्पना हालांकि बीच कहाँ भी दिखता पहले मैंने कुछ पुराना और हाथथा। वे अत्याचार अभियान

इस तरह के कदम उठाए , वहां महिलाओं को न्याय देकर दिलाने का अभियान छें चला गया होगा, इसकी ही की जा सकती है। इस चौतरफा हताशा के बीच-कहीं उम्मीद भरे दृश्य ई पड़ते हैं। कुछ समय बाद काबुल की सड़कों पर लोगों को नीला बुर्का पहने में बैरान लिए गुजरते देखा स्थियों पर होनेवाला एवं खत्म करने के लिए चला रहे थे। मैं वह दृश्य

# अंतरराष्ट्रीय तिब्बती सिनेमा के जनक-पेमा सिडेन

तिब्बत का फॉन्म निदशक, प्रोड्यूसर, स्क्रीनप्लूर राइटर, शिक्षक पेमा सिडेन 3 दिसम्बर 1969 को तिब्बत के सोल्हो (ऊदेतद) इलाके में जन्मे थे। 9 फिल्में निर्देशित करने वाले सिडेन ने 55 पुरस्कार अपने नाम किए। उन्हें 60 पुरस्कारों के लिए नामांकित किया गया। तिब्बत हमारा पड़ोसी देश है, मगर वहां इतनी फिल्में बनती हैं और इतनी अच्छी फिल्में बनती हैं, अनोखी फिल्में बनती हैं, यह अधिकांश दर्शकों के लिए बहुत आश्चर्य की बात है। 1959 के बाद से तिब्बत, चीन के दबदबे में है, चीन ने उसे जबरदस्ती अधिकृत कर लिया है, अतः वहां के बहुत सारे कलाकारों ने देश छोड़ दिया। ये लोग विभिन्न देशों में बस गए हैं। बहुत सारे तिब्बती भारत में बस गए। इसके दो प्रमुख कारण हैं, एक तो सबसे अधिक लोकतांत्रिक देश भारत, तिब्बत के सबसे निकट है, दूसरा तिब्बत से आकर धर्मगुरु दलाई लामा भारत में बस गए हैं। तिब्बत का अपना विशिष्ट धर्म है, आध्यात्मिकता है, अपनी संस्कृति, भाषा, राजनीति है और यह सब बहुत प्राचीन है। प्रवासी तिब्बती इसे कायम रखना चाहते हैं। बाहर रहने वाले तिब्बती लोगों में से कुछ फिल्म निर्देशन की दिशा में अग्रसर हैं। इनमें सर्वाधिक नाम कमाया है, पेमा सिडेन ने। तिब्बती फिल्म निर्देशक, प्रोड्यूसर, स्क्रीनप्लूर राइटर, शिक्षक



A black and white photograph of Pema Shinde, a middle-aged man with glasses and short hair, wearing a dark blazer over a light-colored shirt. He is standing in front of a wall that appears to be covered in large, tropical leaves, possibly ferns or palm fronds. The lighting is dramatic, with strong shadows and highlights.

तिब्बत के सोलहो (अदेतद) इलाके में जन्मे थे। 9 फिल्में निर्देशित करने वाले सिडेन ने 55 पुरस्कार अपने नाम किए। उन्हें 60 पुरस्कारों के लिए नामांकित किया गया। उनकी ख्याति उपरोक्त फिल्मों के अलावा 'बलून', 'सने लेपर्ड', 'सेक्रेट एरो', 'जिन्या' जैसी फिल्मों के लिए भी है। पेमा सिडेन ने 10 फिल्मों का लेखन किया साथ ही 20 फिल्में प्रड़ियूस भी कीं। उन्हें चीनी भाषा में वानमा कैदान के नाम से भी पुकारा जाता है। पेमा सिडेन के साथ तिब्बत के सिनेमा का एक नया अध्याय प्रारंभ होता है। उन्होंने तिब्बत के गंभीर सिनेमा की शुरुआत की। पेमा सिडेन की शिक्षा द बैंडिंग फिल्म दो घंटे की इस ड्रामा फिल्म का नाम तिब्बती भाषा में है। सिनेमाटोग्राफी का भार एन लैंड ने संभाला है। ग्याल सोन्हर प्रोडक्शन डिजाइनर हैं चार सात बाट पेमा सिडेन ने हुह, इंगिलिश शीर्षक 'द सर्च' फिल्म बनाई और दो पुरस्कार जीते। करीब दो घंटे की इस फिल्म में एक फिल्म बनाना वाला अपनी टीम के साथ, अपना तिब्बती ऑपरा (ड्रिम कुंदन) में काम करने के लिए अभिनेता अभिनेत्री की खोज करते हुए हिमालय में यात्रा कर रहा है। पेमा सिडेन अपनी फिल्म की कहानी स्वतंत्र लिखते थे। 'द सर्च' में प्रिंस कुंदन की कहानी भी खुलती चलती है।

## पश्चिमी तट पर किसानों और पक्षी प्रजातियों की अटूट दोस्ती

गौरीया और नीलकंठ दोनों को सांस्कृतिक तौर से महत्वपूर्ण माना जाता है। इसका एक दुखद परिणाम है। अंधविश्वास की वजह से दशहरा के दौरान नीलकंठ को खेतों से पकड़ के कुछ अत्याचारी उनके परों को बेरहमी से काट कर छोटे से यहाँ के बांदीपुर राष्ट्रीय उपरन में पाए जाते हैं। यह न केवल दक्षिण भारत में, बल्कि उत्तर पूर्व और अन्य कई प्रांतों में भी कीटनाशक पक्षी के रूप से लोकप्रिय है। यह भूंग, दीमकों के झुंझुन व टिड़ों को खाते हैं और अपनी दर्शनीय हवागार्द प्रदर्शन और गति के लिए जाने



पिंजरों में कैद करते हैं। भारत देश में कृषि उत्पादन की पद्धतियों में आधुनिक विधियों का चलन बढ़ने लगा है। पक्षी खेतों में उन कीड़ों का दहन करते हैं जो फसल को खाकर उनका नाश करते हैं। पाया गया है कि पक्षी हमारे देश की कृषि प्रणालियों के लिए अतिमूल्य हैं। यह खेतों में कीड़े मकोड़ों की समस्या का हल बनकर, अनाज की रखवाली में किसानों की मदद करते हैं। भारत का पश्चिमी तट विभिन्न प्रजातियों का निवास है। इस लेख का उद्देश्य यहां के दो पक्षियों का कृषिकरण में महत्व का वर्णन करना और उनके संरक्षण के लिए जागरूकता जगाना है। नीलकंठ पक्षी (कोरेशियस बैंगलेसिस) की जाते हैं जिनसे इनका नाम इंडियन रोलर बर्ड पड़ा है। नीलकंठ पक्षी का बदन हल्के नीले रंग का होता है और उसकी गर्दन बैंगनी और नारंगी रंग की होती है। इस कारण से भगवान शिव का स्वरूप बोलकर इनके दर्शन को शुभ माना जाता है। हमारी जानी पहचानी चिड़िया - घरेलू गौरैया (पैस्सर डोमेस्टिकस) का भी धान, कपास और मकई की खेती में अमूल्य योगदान होता है। इनके शिकार में आने वाले कीड़ों में कुछ हैं- कर्तव्यी रंग का फूदका या ब्राऊन मुंट हॉपर (नीलपवत्ता लोग्न्स) और चावल का लीफरोलर (नफलोक्रोसिस मेडिनेलिस), कार्न इयरर्वम (हेलिकोरप्टी ज़ीया), कपास के बॉलर्वम (हेलिकोर्पा बॉलर्वम) जैसे अन्य पक्षियों का उपयोग करके इनकी खेती की जाती है।



